सही लोग | सही सोच | सामूहिक प्रयास

डॉ. रवीन्द्र प्रसाद सिंह 'नाहर'

#238 - गोविंदपुर विधानसभा संभावित उम्मीदवार

नवादा, बिहार

www.rpsnahar.com

परिचय

डॉ. रवीन्द्र प्रसाद सिंह, नवादा, बिहार के निवासी हैं, जिनका राजनीतिक सफर पिता जी के अनुभवों से प्रेरित होकर शुरू हुआ। उन्होंने जे.पी. आंदोलन और कई छात्र आंदोलनों में भाग लिया और जेएनयू में सामाजिक-राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाई। वह सामाजिक न्याय और सकारात्मक बदलाव के लिए निरंतर काम कर रहे हैं, बिना किसी दंभ या दिखावे के। आज भी वे अपने समाज और क्षेत्र के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं।

उपनाम

- **घर में :** रवि
- **कार्यालय में :** डॉ. आर.पी. सिंह / सिंह साहब
- **लेखन में :** डॉ. रवीन्द्र प्रसाद सिंह 'नाहर' / नाहर जी

जन्म-तिथि

- 04 जून 1961

जन्म-स्थान

- गोविंदपुर, ज़िला- नवादा (बिहार), भारत

संपर्क व ग्राम-पता

- ग्राम, पोस्ट- डुमरी, ज़िला- नवादा (बिहार), पिनकोड- 805121

माता, पिता (मइया, बाजी)

- स्व. श्रीमती हेमंती देवी
- स्व. श्री देवनारायण प्रसाद सिंह

माँ, बाबू जी (सास, श्वसुर)

- श्रीमती शारदा देवी
- स्व. श्री अर्जुन सिंह

पत्नी

- श्रीमती रेखा सिंह

पुत्र/ पुत्रवधू/ प्रपौत्री

- नीतीश नीलाभ सिंह/ स्मिता बमनोटे/ सान्वी सिंह (मुंबई)
- दीप्तीश दीपाभ सिंह/ मृणालिनी दत्ता (हैदराबाद)
- प्रीतीश पीताभ सिंह/ शिवानी मेहेर (अमेरिका)

"जन सुराज सही लोग सही सोच सामूहिक प्रयास है, अब बिहार बदलाव ही नये बिहार की आस है।"

बदलाव की चेतना के साथ कदम मिलाते हुए, पटना, 24 अप्रैल 2025: डॉ. रवीन्द्र प्रसाद सिंह, संभावित उम्मीदवार, 238-गोविंदपुर विधानसभा क्षेत्र/ डुमरी, नवादा.

दिल्ली/ वर्तमान पता व संपर्क:

- **पता :** डॉ. रवीन्द्र प्रसाद सिंह, रेखा सदन, एच-564, 5वां एवेन्यू, गौड़ सिटी 1, ग्रेटर नोएडा वेस्ट, गौतमबुद्धनगर- 201318, (एनसीआर-दिल्ली)
- **मोबाइल/ व्हाट्सऐप :** 982-194-1748
- **ईमेल :** rpsnahar@gmail.com
- **वेबसाइट** : www.rpsnahar.com

रचते रहें।🪴🌳🎶🎉🙏

शिक्षा, साहित्यिक कार्य व पुरस्कार

डॉ. रवीन्द्र प्रसाद सिंह ने अपने सर्विस-करियर की शुरुआत केंद्रीय विद्यालय संगठन, नई दिल्ली के हिंदी एकक में हिंदी अनुवादक के पद से की। इसके बाद उन्होंने आईडीबीआई (अब आईडीबीआई बैंक लिमिटेड) में 18 मार्च 1987 से 30 जून 2021 तक विभिन्न स्थानों— भुवनेश्वर, शिमला, कोलकाता, मुंबई, तथा दिल्ली— में राजभाषा एवं प्रशासन विभाग में कार्य किया। हिंदी भाषा एवं राजभाषा के प्रचार-प्रसार के लिए उन्होंने अनेक पुरस्कार और सम्मान प्राप्त किए हैं।

शिक्षा-दीक्षा

- टी. वी. हाई स्कूल, गोविंदपुर से मैट्रिक
- पटना कॉलेज, पटना से इंटर तथा बी.ए. (ऑनर्स)
- जे.एन.यू., नई दिल्ली से एम.ए., तथा एम.फिल.
- उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर से पी-एच.डी.
- मैक्समूलर भवन, नई दिल्ली से पी.जी.डी.टी.
- पत्रकारिता महाविद्यालय, दिल्ली से सी.जे.टी.
- रक्षा मंत्रालय, बिहार बटालियन, पटना से एन.सी.सी. वरिष्ठ 'बी' प्रमाणपत्र

अकादमिक सहयोग

- रमा देवी कॉलेज (अब रमा देवी महिला विश्वविद्यालय), भुवनेश्वर की एम.ए. (हिंदी) पाठ्यक्रम-सामग्री के निर्माण में सहयोग
- झुंझनूं विश्वविद्यालय के हिंदी पत्राचार की कुछ हिंदी पाठ्यक्रम-सामग्री का लेखन
- भुवनेश्वर स्थित ललित कला अकादमी में अकादमिक-प्रकाशन 'अनुभूति' में सहयोग
- शोध-कार्य : 'राष्ट्रभाषा की समस्या के समाधान में राजभाषाई पत्रिकाओं का योगदान'

जन सुराज संगठन विस्तार व सशक्तिकरण बैठक में बिहार प्रदेश उपाध्यक्ष ललन यादव जी, पूर्व भा.प्र.से. व पूर्व डी.एम.-नवादा (दाएँ से दूसरे) के साथ डॉ. रवीन्द्र प्रसाद सिंह (बाएं से दूसरे), 11 जून 2025, नवादा.

साहित्यिक यात्रा व आजीविका

- 'प्रगतिशील समाज' पत्रिका (पटना; संपादक : डॉ. श्यामनन्दन शास्त्री 'हंसराज') से साहित्यिक यात्रा व हिन्दी प्रूफ कार्य आदि प्रारम्भ
- 'कथांतर' पत्रिका (पटना; संपादक : डॉ. राणाप्रताप सिंह) में अनुवाद कार्य व संपादकीय सहयोग
- केंद्रीय विद्यालय संगठन (मुख्यालय), नई दिल्ली के हिंदी एकक में हिंदी अनुवादक के पद पर सेवा
- आईडीबीआई/ आईडीबीआई बैंक लि. में 18 मार्च 1987 से विभिन्न स्थानों-- भुवनेश्वर, शिमला कोलकाता, मुंबई तथा दिल्ली में राजभाषा व प्रशासन विभाग में विभिन्न पदों-- सहायक प्रबंधक, प्रबंधक, सहायक महाप्रबंधक तथा उप महाप्रबंधक पर सेवाएँ
- 30 जून 2021 को आईडीबीआई बैंक, दिल्ली अंचल कार्यालय, करोल बाग़ से डिप्टी जनरल मैनेजर पद से सेवानिवृत्त

पुरस्कार व सम्मान

- हिंदी/ राजभाषा सेवा/ सतर्कता जागरूकता के लिए बैंक तथा 'नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति'/ 'बैंक-नराकास' से कई पुरस्कारों से पुरस्कृत व सम्मानित
- उत्तराखंड-संस्था से राजभाषा कीर्ति सम्मान
- राज्यपाल के हाथों भारत सरकार का राजभाषा पुरस्कार
- ए.बी.सी.आई. का गोल्डेन पुरस्कार
- मुंबई की 'आशीर्वाद' संस्था से 'राजभाषा सम्मान'

982-194-1748 www.rpsnahar.com rpsnahar@gmail.com

रचनात्मक कार्य एवं रुचियाँ

डॉ. रवीन्द्र प्रसाद सिंह की रचनाएँ मुंबई सहित कई शहरों की पत्रिकाओं में प्रकाशित हुई हैं। उन्होंने भुवनेश्वर, शिमला, कोलकाता और मुंबई की हिंदी पत्रिकाओं का संपादन और सहयोग किया है। दिल्ली की द्विभाषी पत्रिका 'Pravasi Indians' (प्रवासी इंडियंस) के भी वे संपादकीय सलाहकार हैं। आकाशवाणी शिमला और मुंबई से उनके विचार-विमर्श प्रसारित होते रहे हैं। कवि-सम्मेलनों में सक्रिय भागीदारी के साथ वे लोक-साहित्य, राजनीतिक विमर्श, फोटोग्राफी और राजभाषा पत्रिकाओं में गहरी रुचि रखते हुए रुचिकर न्यूज़पेपर-कतरन-संग्रह की हॉबी रखते हैं।

प्रकाशन

- 'अमरकांत और उनकी कहानियाँ' (समीक्षा) पुस्तक मुंबई से प्रकाशित
- 'पटना कॉलेज पत्रिका' से लेकर पटना, दिल्ली, भुवनेश्वर, शिमला, कोलकाता, मुंबई तथा भोपाल की विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में रचनाएँ प्रकाशित

सम्पादन

- भुवनेश्वर, शिमला, कोलकाता, मुंबई की कार्यालयीय हिंदी पत्रिकाओं क्रमशः 'त्विषि', 'हिमिका', 'समग्र प्रभा', 'विकास प्रभा' आदि का सम्पादन/ उप-सम्पादन/ सहयोग
- भुवनेश्वर, शिमला, नई दिल्ली की 'नराकास'/ 'बैंक-नराकास' की हिंदी पत्रिकाओं क्रमशः 'महानदी', 'यात्रा', 'बैंक भारती' में संपादकीय/ परामर्शदात्री समिति-सहयोग/ विशेष सहयोग
- 'हिंदी दर्पण' (भुवनेश्वर), 'हिंदी आईना' (कोलकाता) आदि कार्यालयीय दैनिक हिंदी बुलेटिनों और 'शाब्दिकी' (भुवनेश्वर), 'वाक्यिकी' (शिमला), 'मंत्रणा' (नई दिल्ली) आदि कार्यालयीय मासिक हिंदी बुलेटिनों/ ई-बुलेटिन का सामयिक सम्पादन/ प्रकाशन
- Pravasi Indians- प्रवासी इंडियंस, दिल्ली की अंतरराष्ट्रीय द्विभाषी पत्रिका में संपादकीय सलाहकार

कवि-सम्मेलन

- भुवनेश्वर तथा शिमला के कवि-मंचों से कविता-पाठ

प्रसारण

- शिमला तथा मुंबई आकाशवाणी (रेडियो) केन्द्रों से वार्ताएं, विचार-विमर्श कार्यक्रम व समीक्षाएं प्रसारित

रुचियाँ

- रचनात्मक पुस्तकें पढ़ना
- साहित्यिक विमर्श
- राजनीतिक विमर्श व जनता के सरोकारों से जुड़ाव
- देशाटन व भ्रमण
- लोक-साहित्य व संस्कृति पर लेखन-रुचि
- लोक-इतिहास लेखन तथा ऐतिहासिक खोज पर बल
- फोटोग्राफी का शौक व उसपर विशेष ध्यान
- राजभाषाई पत्रिकाओं की खोज-ख़बर/ समीक्षा/ संग्रह
- समाचार-पत्र कटिंग का वैयक्तिक अनोखा-संग्रह (1977 से अब तक)- गिनीज़ बुक रिकॉर्ड में दर्ज कराने का विचार

यात्रा

- नदी के रास्ते नेपाल-गमन व भ्रमण
- कनाडा व अमेरिका देशों की यात्रा प्रस्तावित

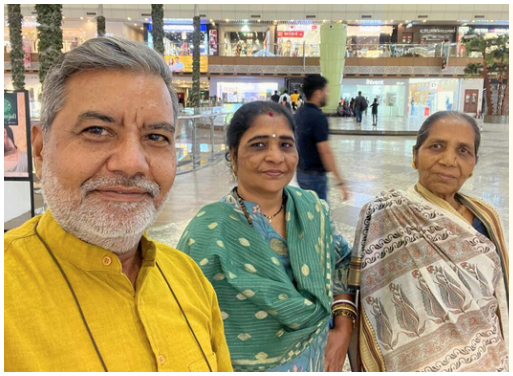

जन सुराज के पीले ब्रांड में डॉ. सिंह अपनी पत्नी- रेखा सिंह, तथा माँ जी- शारदा देवी के साथ; गौड़ सिटी मॉल, एनसीआर-दिल्ली, 07 अप्रैल 2025.

982-194-1748 www.rpsnahar.com rpsnahar@gmail.com

पत्रकारिता एवं सामाजिक कार्य

डॉ. रवीन्द्र प्रसाद सिंह न केवल एक साहित्यकार और प्रशासक हैं, बल्कि पत्रकारिता, शिक्षा, पर्यावरण, समाजसेवा, संस्कृति और स्वास्थ्य के क्षेत्रों में भी सक्रिय भागीदारी निभाते रहे हैं। समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता सिर्फ शब्दों तक सीमित नहीं रही— उन्होंने हर स्तर पर ज़मीनी कार्यों के ज़रिये परिवर्तन की अलख जगाई है। यह अनुभाग उनके विविध सामाजिक और पत्रकारिक योगदानों की झलक प्रस्तुत करता है— जहाँ वे एक मार्गदर्शक, आयोजक, संरक्षक और प्रेरक की भूमिकाओं में नज़र आते हैं।

सम्प्रति/ वर्तमान कार्यकलाप

- पत्रकारिता कार्य— स्वतंत्र पत्रकारिता
- शैक्षिक कार्य— आमंत्रण पर मुख्य अतिथि/विशिष्ट अतिथि व्याख्यान, हिन्दी कार्यशाला व्याख्यान, प्रतियोगिता जज, इंटरव्यू-बोर्ड सदस्य
- संस्थागत कार्य— मोटिवेशनल लेक्चर, इवेंट मैनेजमेंट पर कक्षाएं, कार्यक्रम-एंकरिंग व मंच संचालन
- पर्यावरणीय कार्य— वृक्षारोपण, बीज-बुनन/छिटन कार्य व पर्यावरण संरक्षणीय व्याख्यान
- सामाजिक कार्य— गाँव में कॉलेज, पुस्तकालय निर्माण का बीड़ा, बाबू जी के नाम पर पुरस्कारों व प्रतियोगिताओं का आयोजन, गाँव के क्लब के पुनरुद्धार पर प्रयास, जनता के आवेदनों का लिखा जाना आदि
- सांस्कृतिक व ऐतिहासिक कार्य— पुरातात्विक धरोहरों, शिलालेखों, ऐतिहासिक सामग्रियों के संरक्षण पर सरकार का ध्यान दिलाना
- स्वास्थ्य परक कार्य— स्वयं रक्तदान करना व दूसरों को प्रेरित करना आदि कार्य/कार्यक्रमों में सहभागिता व भागीदारी। प्रिवेंटिव व क्यूरेटिव रोग निदान हेतु योग-प्राणायाम बताना व सिखाना

घर-घर प्रचार व बदलाव हस्ताक्षर अभियान में डॉ. सिंह, डुमरी, 10 जून 2025

जन सुराज संगठन विस्तार व सशक्तिकरण बैठक में डॉ. रवीन्द्र प्रसाद सिंह, आवेदक उम्मीदवार गोविंदपुर विधानसभा क्षेत्र/ डुमरी, नवादा जिला, अपनी बात रखते हुए, नवादा, 11 जून 2025.

982-194-1748 www.rpsnahar.com rpsnahar@gmail.com

राजनीतिक सफ़र

डॉ. रवीन्द्र प्रसाद सिंह की राजनीति में रुचि और सक्रियता का बीजारोपण बचपन से ही हुआ, जब पिता जी की राजनीतिक समझ और चाय-नाश्ते की दुकान, जो बुद्धिजीवियों के विचार-विमर्श का केंद्र थी, ने शुरुआती प्रेरणा दी। जे. पी. आंदोलन से लेकर छात्रसंघ नेतृत्व और झुग्गीवासियों के लिए शिक्षा अभियान तक, सामाजिक बदलाव और जनसेवा की ललक हर कदम पर स्पष्ट रही। राजनीतिक समाज-सेवा करने व जेएनयू की सामाजिक, राजनीतिक व सांस्कृतिक गतिविधियों की चेतना की अकुलाहट ने उन्हें **जन सुराज पार्टी** और **प्रशांत किशोर जी** की बेदाग़-छवि के बीच ला खड़ा कर दिया।

- पिता जी (वार्ड सदस्य, फिर पंचायत समिति सदस्य; निगरानी समिति सदस्य, शांति समिति सदस्य, स्कूल समिति सदस्य आदि) की राजनीतिक समझ से प्रेरित
- पिता जी की चाय-नाश्ते की दुकान और वहीं के बुद्धिजीवियों युक्त राजनीतिक अड्डे से राजनीतिक समझ की उपज व उसकी शुरुआत
- जे. पी. के संपूर्ण क्रांति आन्दोलन में सहभागिता
- जय प्रकाश नारायण तथा जगजीवन राम के भाषण को सुनने के लिए, पिता जी के द्वारा मना करने के बाद भी, नवादा भाग जाना
- जे. पी. मूवमेंट में नारेबाज़ी व दीवार लेखन आदि कार्यों में सहयोग
- जे. पी. आंदोलन के समय छात्र-आंदोलन पर एक लेख लिखा जो आज भी संरक्षित व विचारोत्तेजक है
- मैट्रिक में ए.आई.एस.एफ. छात्रसंघ का अध्यक्ष
- प्रयोजनवश आई. ए. तथा बी. ए. में राजनीति शास्त्र का एक विषय के रूप में अध्ययन
- कॉलेज में प्रगतिशील छात्र संघों, प्रगतिशील लेखक संघ, 'इप्टा' तथा जनाकांक्षी नाटकों आदि की ओर झुकाव तथा कॉमरेड सत्यनारायण व कॉमरेड विनोद आदि के साक्षात्कार लिए/ लेने में रुचि
- देवराज अर्स, ज्योति बसु, कर्पूरी ठाकुर, मधु लिमये, जार्ज फ़र्नांडिस आदि तत्कालीन वरिष्ठ नेताओं से मिलने में रुचि तथा उनके ऑटोग्राफ लिए/लेना
- तत्कालीन मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर जी को गांधी मैदान में स्वतंत्रता दिवस परेड पर 'गार्ड ऑफ ऑनर' देना
- जेएनयू के प्रसिद्ध मई छात्र-आन्दोलन के क्रम में 12 दिनों की तिहाड़ जेल की स्वयात्रा, बिना शर्त रिहाई
- जेएनयू के छात्रसंघ चुनावों में शिरकत
- जेएनयू के पास की झुग्गीवासियों के बच्चों के लिए एन.एस.एस. के छत्रतले शिक्षा व साक्षरता अभियान की शुरुआत की थी
- आईडीबीआई बैंक में अधिकारियों तथा कर्मचारियों की जायज़ मांगों के लिए यथासमय जन्तर-मंतर, दिल्ली में धरना देना तथा भाषण देना
- आईडीबीआई बैंक की सामयिक विभिन्न समितियों में सदस्य सर्वसम्मति से मनोनीत होना
- आईडीबीआई बैंक, दिल्ली अंचल कार्यालय के अधिकारी संघ का तत्कालीन उपाध्यक्ष (वाइस प्रेसिडेंट) चुना जाना व उसके कर्तव्यों का निर्वहन करना
- आईडीबीआई बैंक, भुवनेश्वर की मेस कमेटी के सचिव चुना जाना
- आईडीबीआई बैंक के विभिन्न कार्यालयों में वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्य के रूप में चुना जाना
- सेवानिवृत्ति के बाद बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और पठनोन्मुखी चेतना के विकास पर लगातार बल देना
- तथाकथित प्रगतिशील पार्टी में आए अधिकतर ग़लत लोगों व उसकी ह्रासोन्मुखी प्रवृत्तियों से निराश होकर उससे न जुड़ सका किंतु राजनीतिक समाज-सेवा करने, लोकतंत्र की मजबूती व संविधान की रक्षा करने और जेएनयू की सामाजिक, राजनीतिक व सांस्कृतिक गतिविधियों की चेतना की अकुलाहट ने मुझे **जन सुराज पार्टी** और **प्रशांत किशोर जी** की बेदाग़-छवि के बीच ला खड़ा कर दिया जिनका ध्येय और एक मात्र ध्येय पुराने परम्परागत बिहार को एक नये बिहार में बदलना है जहाँ बिहारी शर्म का विषय नहीं, प्रत्युत् गर्व व स्वाभिमान का विषय होगा...।

982-194-1748 www.rpsnahar.com rpsnahar@gmail.com

हमसे जुड़ें— आपके सुझाव और समर्थन का स्वागत है!

‘जन सुराज’ के सिद्धांतों के अनुरूप, डॉ. रवीन्द्र प्रसाद सिंह का लक्ष्य एक समावेशी और पारदर्शी शासन स्थापित करना है, जहाँ शिक्षा, स्वास्थ्य, और रोजगार तथा बिहार में ही रोज़ी-रोटी की व्यवस्था व बिहार के सम्पूर्ण बदलाव को प्राथमिकता दी जाए ताकि एक नए बिहार का निर्माण हो सके।

जन सुराज अभियान की शुरुआत

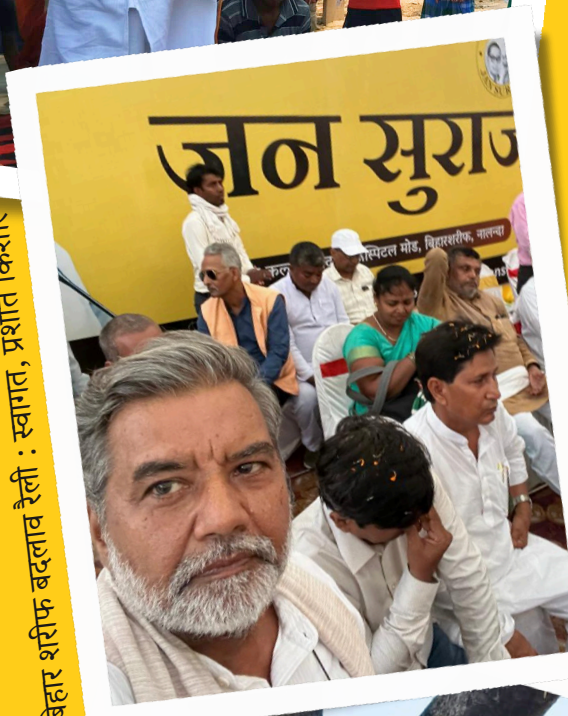

बिहार शरीफ बदलाव रैली : स्वागत, प्रशांत किशोर

डुमरी आम सभा

@rpsnahar

rpsnahar@gmail.com

982-194-1748

ग्राम, पोस्ट- डुमरी, जिला- नवादा, बिहार, पिन- 805121

www.rpsnahar.com